दिनांक–29 जुलाई 2013 को जिला पदाधिकारी, मुंगेर की अध्यक्षता में आयोजित जिला कृषि टास्क फोर्स बैठक की कार्यवाही।

उपस्थिति– उपस्थिति पंजी के अनुसार।

प्रस्ताव सं0–01

जिला कृषि पदाधिकारी, मुंगेर द्वारा बताया गया कि माह जून2013 में 24% एवं जुलाई 2013 में अब तक (दिनांक–29.07.2013 तक) 39% कम वर्षापात हुआ है। कम वर्षापात के कारण सरकार के स्तर से धान के बीचड़े को बचाने, धान की खड़ी फसल को बचाने तथा आवश्यकतानुसार मक्का के फसल को सिंचाई करने हेतु कृषकों को डीजल क्रय पर डीजल अनुदान मद में **105.00**लाख रूपये की स्वीकृति प्राप्त हुई है। इस स्वीकृति के विरूद्ध तत्काल **36.00**लाख रूपये का आवंटन भी प्राप्त हो चुका है।

जिला पदाधिकारी द्वारा जिला कृषि पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि डीजल अनुदान मद में प्राप्त आवंटन को अविलम्ब प्रखंडों को उपावंटित कर दें।

प्रस्ताव सं0–02

जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा यह भी बताया गया कि जिले में 33000 हेक्टेयर भूमि में धान की खेती का लक्ष्य है, जिसके विरूद्ध अबतक लगभग 4200हेक्टेयर (लगभग 12%) में धान फसल का आच्छादन हुआ है। मक्का खेती का लक्ष्य 13000हेक्टेयर में है जिसका आच्छादन शत्–प्रतिशत हो चुका है।

प्रस्ताव सं0–03

बैठक में उपस्थित कार्यपालक अभियंता सिंचाई प्रमंडल, तारापुर द्वारा बताया गया कि मुंगेर जिला में लगभग 21000हेक्टेयर में नहर से सिंचाई का लक्ष्य है। वर्त्तमान में बाँका स्थित बडुआ डैम्प तथा हवेली खड़गपुर झील के जलस्तर को देखते हुए 10000हेक्टेयर में धान की रोपनी हो सकेगी। उनके द्वारा यह भी बताया गया कि यदि बीच–बीच में बारिश होती रहेगी तो नहर से और अधिक क्षेत्रों में धान की रोपनी की जा सकेगी।

जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता को निदेश दिया गया कि नहर का पानी नहर के अंतिम छोर तक पहुँचाया जा सके इसके लिए हर संभव व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

प्रस्ताव सं0–04

बैठक में उपस्थित कार्यपालक अभियंता नलकूप–सह–लघु सिंचाई प्रमंडल मुंगेर द्वारा प्रतिवेदन दिया गया जो निम्न प्रकार है:–

- पुराना नलकूपों की संख्या–6 है जिसमें 5 कार्यरत है।
- नवार्ड फेज–III के कुल 9 नलकूप है जिसमें 7 कार्यरत है।
- नवार्ड फेज–VIII के कुल 44 नलकूप है जिसमें 8 कार्यरत है।
- नवार्ड फेज–XI के कुल 8 नलकूप है जिसमें सभी ऊर्जान्वित बताये गये है।

इस प्रकार कुल 28 नलकूपों से 27 हेक्टेयर में सिंचाई होने का प्रतिवेदन दिया गया है।

लघु सिंचाई अन्तर्गत मध्यम सिंचाई योजनान्तर्गत विभिन्न स्थानों पर कुल 23 योजना है जिसकी सिंचाई क्षमता 775 हेक्टेयर है। वर्षा नहीं होने के कारण श्रोत में पानी नहीं है। जिसके कारण सिंचाई नहीं हो रहा है। सभी सिंचाई योजनाएँ बंद हैं।

प्रस्ताव सं0–05

कार्यपालक अभियंता लोक स्वास्थ अभियंत्रण द्वारा बताया गया कि पीने के पानी का जलस्तर पूरे जिला में सामान्य स्थिति में हैं। जिला पदाधिकारी द्वारा निदेश दिया गया कि कहीं भी जलस्तर में कमी के कारण चापाकल बंद होता है तो उसे अविलम्ब ठीक करना सुनिश्चित करेंगे।

प्रस्ताव सं0–06

कार्यपालक अभिंता विधुत द्वारा बताया गया कि वर्त्तमान में जिले को मिल रहे बिजली आपूर्ति के अनुसार ग्रामीण क्षेत्रों में 15घंटे विधुत की आपूर्ति की जा रही है। यह भी बताया गया कि कही से भी ट्रांसफर्मर जलने अथवा खराब होने की सूचना प्राप्त नहीं है।

जिला पदाधिकारी द्वारा कार्यपालक अभियंता विधुत को निदेश दिया गया कि जिले को मिलने वाले बिजली ग्रामीणों को निर्बाध रूप से मिल सके उस पर नजर रखेंगे।

प्रस्ताव सं0–07

जिला सहकारिता पदाधिकारी, मुंगेर, जिला मत्स्य पदाधिकारी एवं जिला पशुपालन पदाधिकारी के बैठक में उपस्थित नहीं रहने के कारण इसकी समीक्षा नहीं की जा सकी।

जिला पदाधिकारी द्वारा इन सभी पदाधिकारियों को टास्क फोर्स की बैठक में नियमित भाग लेने हेतु जिला कृषि पदाधिकारी को सूचित करने का निदेश दिये।

अंत में, धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्रवाई समाप्त की गई।

ह0/–
जिला पदाधिकारी,
मुंगेर।

ज्ञापांक–............/मुंगेर, दिनांक–
प्रतिलिपिः–सभी सम्बंधित पदाधिकारी मुंगेर जिला को सूचनार्थ एवं अनुपालनार्थ प्रेषित।

ह0/–
जिला पदाधिकारी,
मुंगेर।

ज्ञापांक–968/मुंगेर, दिनांक– 29/7/13
प्रतिलिपिः–जिला जनसम्पर्क पदाधिकारी, मुंगेर एवं जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, मुंगेर को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

(हस्ताक्षर)
जिला पदाधिकारी,
मुंगेर।

(5)

D:\DAO\2013-14\Other\Task Force\Proceding 29072013.doc